(3)

रात्री क्लास ओम्शान्ति 30-9-67

बाप जो इतना समझाते हैं जो फिर और कुछ समझने का रहता नही है। जब सभी कुछ जान लेते हैं कर्मातीत अवस्था को पायें लेते हैं। बाप ने पिछाडी में कहा है अब सब कुछ समझ लिया है, अब कुछ समझने का रहता नही है। जो समझावें। अभी समझा जाता है अजन समझाने का है। लडाई आद सभी दिखाया है। अन्त भी वाते हैं। जो कहते है सब कुछ समझ लिया, आद मध्य अन्त का राज़ समझाये लिया, बाकि समझाने का कुछ है नहीं। बाकि मैं बैठ क्या करें। सा० आद बहुत होनी हैं। लडाई में भी समय लगता है। अमेरिका वाले कहते हैं इतने बम्स तैयार हो जावेंगे। एक तरफ बन्द करने की बातें करते, एक तरफ फिर कहते है इतने बम्स तैयार हो जावेंगे। तैयार कर लिए होंगे। दुनिया को तो खलास होना हो है ना। यह है समझ की बात। जब विनाश होना है। ऐसे नहीं कि चीज़ रखने लिए बनाते है। यह तो बम्स है कितना खर्चा लगता है। बनाने वालों के तलब बहुत रहते हैं। तुम जानते हो विनाश जरूर होना ही है। जास्ती टाईम भी नहीं लगना है। अन्यन्य बच्चे जानते है याद करते2 आखरीन कर्मातीत अवस्था नम्बरवार हो जावेंगे। पिछाडी में बहुत सा० होंगे। बुधि में है सतयुग मैं क्या होना है। त्रेता में क्या होता है। जो अच्छी रीत पुरुषार्थ करते है विचार सागर मथन करते है कैसे समझावें। विश्व में शान्ति को भी राज्य था ना। यह है विश्व में राज्य। तुम यह सीढी, लक्ष्मीनारायण के चित्र ले जावेंगे। विश्व में शान्ति का राज्य स्थापन हो रहा है। बाप ब्रहमा द्वारा इस राजधानी की स्थापना करते हैं। बाकि अनेक धर्मों के विनाश होंगे। यह बहुत इजी है। आखरीन यह सन्यासि भी तुम्हारे चरणों में झुकेंगे। करीब यह सच्ची2 बातें है। महाभारत लडाई का शास्त्रों मे वर्णन है। जिसके साथ गीता तेलक है। गीता और महाभारत। बाप कहते हैं करीब मैं राजयोग सिखाये रहा हूँ। आगे चल समझते, बुद्धी को पाते रहेंगे। युक्तियाँ बाप बतलाते रहते है। बाप को जो मुरली चलानी है चलाते ही रहते है। तुम बच्चों को धारण करनी है। नोट करना है। बाबा तो कोई से बात भी नहीं करते। बाबा समझाते हैं कुछ भी समझ न सकेंगे। पहले तो समझाना पडे बाप कल्प2 आते है, कहते है 5000 का बाद आये भारत को स्वर्ग बनाता हूँ। भारत में इन्हो का राज्य था तो सुखधाम था ना। बाबा सुनाते है उस रीत लिखो। इस समय इतने करोड मनुष्य है, सतयुग में कितने थोडे होंगे। फिर रचता और रचना के चक्र का राज़ समझाते हैं। चित्र भी बनाते रहते है। नये चित्र बनाये ऐसा समझावें जो समझे हम भारतवासी ने 84 जन्म लेते हैं चक्र लगाते ही रहते है। भारत कैसे हेल था, हेविन बनता हैं। यह अच्छी रीत समझाना हैं। अभी हेल है, सभी नर्कवासी हैं। बाप आये है, ब्रहमाकुमारियों द्वारा भारत को स्वर्ग बनाये रहे हैं। यह एमआबजेक्ट कितनी किलियर है। बाबा को बहुत खुशी होगी। देहली में 5 म्युजियम हो तो बडी बात नहीं। नाम तो है ना पाण्डव सम्प्रदाय, कौरव सम्प्रदाय। ताज कोई को नहीं। यह है गीता। गीता को ही जानते हो। और तो कोई नहीं जानते। भगवान ने राजयोग सिखाया है। यह तुम ही जानते हो। बहुत थोडे है जिनको सर्विस का शौक है। युक्ति ऐसा रचना चाहिए सर्विस ऐसी करे जो देहली में नाम हो जाये यह ब्रहमाकुमारियाँ ही सर्विस कर रही हैं। बाकि सूरी डिस सर्विस करते है। बच्चें ऐसे कमाल कर दिखावे जो मनुष्य देख खुश जाये। अभी तो कुछ है नहीं। नाम तो बाला होना ही है। इस समय सभी बच्चों में नम्बर वन यह (ईन्द्र) जाये रहा है। सर्विस का बहुत शौक है। भाग कर आया है बाबा पास। इनको बहुत 2 उमंग है। इतना सभी को उमंग होना चाहिए। सारे देहली में यह चित्र (लक्ष्मीनारायण) उठावेंगे। इनका राज्य स्थापन हो रहा है। रचता और रचना के आद मध्य अन्त का ज्ञान है यह स्थापना हो रही है। किलियर कर बताना है। भक्ति बिलकुल ही अलग है। भक्ति हैं दुर्गति। यह है ही हेल। हेविन भी था ना। मनुष्यों को पता थोडे ही है। यह लक्ष्मी नारायण स्वर्ग के मालिक थे। कुछ भी नही जानते। बिलकुल ही अन्धश्रधा है। देहली में तो बहुत आते हैं ना। सभी से बनाना चाहिए यह स्थापन हो रहा है। ब्रहमा कुमारियाँ श्रीमत पर यह स्थापन कर रही हैं। गर्वमेन्ट हाउस में एकदम यह रख दो। पराभीननट पैलस में यह चित्र रखना

चाहिए। बच्चों में बहुत सर्विस का शौक होना चाहिए। भागना चाहिए। इनको सर्विस का बहुत फिक्र है। और किसी को इतना फिक्र नहीं दिखाता है। नाम निकल जावेगा तो जमीन आद भी छोड़ देंगे। बच्चों को सर्विस का बहुत शौक होना चाहिए। रहम दिल होना चाहिए। सभी का दुःख दूर हो जाये। बड़े2 सन्यासि आद कुछ नहीं जानते। उल्टा रास्ता बताते हैं। मूल बात है गीता का भगवान कृष्ण नहीं, इस में जीत लिया तो नाम बहुत बाला हो जावेगा। गीता का बहुत मान है। फिर भी सभी को सदगति दाता बाप है। अच्छा गुडनाईट।

29-9-67: रात्री क्लास:- यह है अमूल्य खज़ाना। बाबा लिखते भी है तुम अभी सुखधाम के पदमपति विश्व के मालिक बन रहे हो तो पढ़ाई में ध्यान देना चाहिए। अगर सब पाईन्ट्स याद न आये तो भी 84 का चक्र पूरा होता है अभी याद करते2 हम पवित्र बन शान्ति धाम घर जायें पहुँचेंगे। फिर सुखधाम में आवेंगे। यह याद करना बहुत सहज है। पुरानी दुनिया से है वैराग्य। कहाँ भागना नहीं है। जितना हो सके भविष्य के लिए जमा भी करना है। दान-पुण्य करते हैं, दूसरे जन्म लिए जमा होता है। यहाँ 21 जन्मों लिए जमा होता है। यह है युक्ति युक्त दान। पापात्मा को देने से फिर पाप चढ़ जाता है। अज्ञान काल में भी दान सम्भाल के दिया जाता है। यह तो भारत को स्वर्ग बनाना है। उसके लिए ही तुम बाप के मददगार बनते हो। जितना मददगार बनेंगे दैवी गुण धारण करेंगे तो ऊँच मर्तबा मिलेगा। यह भी समझना है हम कितना भाग्यशाली हैं। जो बाप पढ़ाते हैं। हम पदमपति बनते हैं। इस गुप्त नालेज को धारण करना है। जो बाप में ज्ञान है वह ही बच्चों को देते हैं। बाप की आत्मा तो सदैव पवित्र शान्त है। और वह प्यार का सागर है। आकर बच्चों को प्यार से सम्भालते हैं पढ़ाते हैं। हर 5000 वर्ष बाद हमको बाप, टीचर, गुरु तीनों रूप से एक ही पढ़ाते हैं। वह तीनों अलग2 होते हैं। यह एक ही बाप है जो तीनों वर्सा देते हैं। बाप का, टीचर का, सदगुरु का। बाप कोई पेन्शन आद भी नहीं देते हैं। कहते हैं मैं तुम्हारा बाप हूँ तुम सभी को शान्तिधाम सुखधाम ले जाऊँगा। यह याद कर हर्षित रहना है। भल पिछाड़ी का जन्म है हिसाब-किताब है जो लेन, देन होती है। एक दो को देखा तो सभी देते हैं ना। बाप समझाते हैं कोई भी पाप न करना है। तुम पुण्यात्मा बनते हो। अगर पाप हो भी तो बाप को बताना चाहिए। बच्चों को मालूम नहीं रहता है। हम ने पाप किया है। हर एक बात में बाप से पूछना चाहिए। मूँझने की दरकार नहीं है। सच्चा2 मिलन सभा यह है। एक ही मिलन है 5000 वर्ष का। इस पर भी बाबा समझावेंगे म्युजियम मिलन सभा नाम रख सकते हैं। रूहानी म्युजियम मिलन सभा, इनका अर्थ कोई जानते

**** * * * * *** * * ** * **

नहीं है। स्प्रीच्युयल नाम किसका है यह भी कोई जानते नहीं है। बच्चों को अन्दर में युक्तियाँ रचनी चाहिए कैसे किसको स्वर्ग का रास्ता बतावें। बाबा मिसल कल्याणकारी बने। तुम्हारे साथ बाप मददगार हैं। तुम हो सच्चे खुदाई खिदमत गार। यह फिक्र होना चाहिए हम गुप्त सेना हैं। हम भारत का कल्प 2 स्वर्ग बनाते हैं। दैवी गुण भी धारण करनी है। इसलिए चार्ट रखना अच्छा है। किसको दुःख तो नहीं दिया। कितना बाप को याद किया। और सभी नशों में है नुकसान। एक नशा बाप को याद करने का रहना चाहिए। तुम जानते हो भक्ति मार्ग में बहुत याद किया है। अब बाप कहते हैं मैं आया हूँ। तुम भी कहते हो हम भी वह ही हैं। आप भी वह ही हो। बाबा हम आप से स्वर्ग का वर्सा लेते हैं। इसमें गफलत मत करो। जास्ती सर्विस करने वाले पद भी ऊँच पावेंगे। सच्ची2 विश्व की सेवा तुम करते हो। विश्व को नर्क से स्वर्ग बनाये देते हो। तुम्हारी कितनी महिमा है। बाप कहते हैं रहम माँगो नहीं। अपने पर आपे ही रहम करो। माया भी बड़ी दुस्तर है। 8-10 वर्ष पवित्र रहने वालों को भी घूसा मार गिराये देती है। तुम्हारी माया से ही युद्ध है। गफलत करने से हराये देते हैं। बडी मंजिल है। सेन्टर पर जो भी बच्चियाँ 2-4 मास लिए सर्विस में मदद दे सकती हैं वह अपना नाम भेज दे। प्रदर्शनी में सर्विस कर सकती हो। आर ब्राह्मणी का भी सर्टीफिकेट चाहिए कि वहाँ यह सर्विस कर सकते हैं? ऐसे नहीं कि सिखेंगे। सिखने की बात नहीं। प्रदर्शनी अथवा म्युजियम में तो समझाने वाली बहुत होशियार चाहिए। बाबा को बहुत सयानी चाहिए। ओम।